प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 03 जून, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल ने बहरागोड़ा में 'प्रतिभा सम्मान समारोह-2025' में विद्यार्थियों को किया सम्मानित, कहा- "युवा प्रतिभाएँ राष्ट्र की असली पूंजी हैं"

राज्यपाल महोदय ने वहाँ छात्र-छात्राओं के साथ भोजन ग्रहण किया तथा उनसे संवाद किया।

बहरागोड़ा (पूर्वी सिंहभूम),- माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में आशीर्वाद संस्था द्वारा आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह-2025' में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बहरागोड़ा क्षेत्र बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक विरासत से समृद्ध है, जहाँ की प्रतिभाओं ने शिक्षा, कला और सामाजिक सेवा के माध्यम से देश-विदेश में झारखंड का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह 'प्रतिभा सम्मान समारोह' केवल पुरस्कार वितरण का अवसर नहीं है, बल्कि यह परिश्रम,

अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों का उत्सव है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा पीढ़ी होती है। जब विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, शिक्षक समाज निर्माण में योगदान देते हैं और नागरिक जनसेवा में योगदान देते हैं, तो यही हमारे राष्ट्र की सच्ची नींव बनाते हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सम्मानित किए जाने की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि यह समाज को भी सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे संस्कार, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को जीवन में प्राथमिकता दें तथा अपने ज्ञान और ऊर्जा का उपयोग समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में करें।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उन्नति नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का बोध कराना भी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे विज्ञान, तकनीक और नवाचार के माध्यम से स्थानीय समस्याओं के समाधान निकालें, विशेषकर अपने क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक

चुनौतियों के समाधान हेतु। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज्य में उच्च शिक्षा के विकास हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, परंतु प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता उच्च शिक्षा की मजबूत नींव बनाती है और सशक्त आधार बनते हैं। उन्होंने कहा कि "देश का भविष्य स्कूली शिक्षा की मज़बूती पर निर्भर है।"

उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय द्वारा छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त बहरागोड़ा में स्थित विभिन्न विद्यालयों को भी सम्मानित किया गया।

राज्यपाल महोदय ने वहाँ उपस्थित छात्र-छात्राओं के साथ सादगीपूर्ण वातावरण में भोजन ग्रहण किया और संवाद किया। राज्यपाल महोदय को छात्र/छात्राएं अपने साथ सहज भाव से भोजन पर देख अत्यंत हर्षित थे। माननीय राज्यपाल के इस व्यवहार ने वहाँ उपस्थित सभी के हृदय को स्पर्श किया और अनेक लोगों ने उन्हें स्नेहपूर्वक 'पीपुल्स गवर्नर' की संज्ञा दी।

लोक सभा सांसद श्री विद्युत वरण महतो ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बहरागोड़ा प्रारंभ से ही शिक्षा के क्षेत्र में जागरूक रहा है। आज यह क्षेत्र एक शैक्षिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने इस

क्षेत्र में विश्वविद्यालय की स्थापना की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे झारखंड के साथ-साथ पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा के विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता की ओर भी ध्यान आकृष्ट कराया।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने राज्यपाल महोदय की उपस्थिति को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्पद बताया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय उच्च शिक्षा के विकास हेतु सदैव चिंतित रहते हैं और इसमें सुधार हेतु प्रयास कर रहे हैं। उच्च शिक्षा के विकास हेतु उनकी प्रतिबद्धता सर्वविदित है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि, शिक्षक, अभिभावक, समाजसेवी तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

---

(2) माननीय राज्यपाल ने अरका जैन विश्वविद्यालय, झारखण्ड के तृतीय दीक्षांत समारोह में उपाधिधारक विद्यार्थियों को सफलता हेतु शुभकामनाएँ दीं।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज अरका जैन विश्वविद्यालय, झारखण्ड के तृतीय दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ प्रदान करते हुए कहा कि दीक्षांत केवल शैक्षणिक यात्रा का अंत नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्वों की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों को देश की वास्तविक निधि बताते हुए आह्वान किया कि वे अर्जित ज्ञान, मूल्य और संवेदनशीलता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड राज्य के राज्यपाल के पदभार ग्रहण के बाद से ही उच्च शिक्षा में सुधार हेतु प्रयत्नशील है। हम ग्रेडिंग सिस्टम में सुधार के लिए सतत प्रयासरत है। इस विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड मिलना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में सुधार हेतु कोई भी व्यक्ति सुझाव दें, तो आमंत्रित है। उनकी इच्छा है झारखण्ड प्रदेश उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनें।

माननीय राज्यपाल ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा दिए गए "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास" के मंत्र का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे "विकसित भारत @2047" के लक्ष्य की प्राप्ति में सहभागी बनें। उन्होंने 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसी योजनाओं को युवाओं के लिए नवाचार और उद्यमिता के अवसरों का माध्यम बताया।

राज्यपाल महोदय ने भारत की अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि "भारत अब विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और शीघ्र ही तीसरे स्थान प्राप्त करने की ओर बढ़ रहा है।" उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सैनिकों की वीरता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नया भारत है, जो शांति का पक्षधर है, लेकिन मानवता पर हमला होगा, तो यह देश चुप नहीं बैठेगा, दुश्मन को कुचलना भी जानता है। आतंकवाद का प्रत्येक कदम उसके संहार का होगा।

माननीय राज्यपाल ने जमशेदपुर की औद्योगिक परंपरा और टाटा समूह के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उद्योग, सेवा और सामाजिक दायित्वों का समन्वय

ही सच्ची प्रगति का मार्ग है। उन्होंने विश्वविद्यालय में 35-40% छात्राओं की भागीदारी को सामाजिक जागरूकता और समरसता का सकारात्मक संकेत बताया। उन्होंने विश्वविद्यालय से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को सिर्फ अकादमिक नहीं, बल्कि व्यवहारिक ज्ञान, कौशल विकास और नैतिकता से भी सज्जित करें। उन्होंने झारखंड की सांस्कृतिक विरासत और युवाओं की सामर्थ्य पर विश्वास जताते हुए राज्य को एक आदर्श सामाजिक-आर्थिक मॉडल के रूप में विकसित करने का आह्वान किया।

राज्यपाल महोदय ने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं और आशा व्यक्त की कि वे विश्वविद्यालय, राज्य और देश का नाम गौरवान्वित करेंगे।

इस अवसर पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा सदस्य श्री चम्पाई सोरेन, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ ईश्वरन अय्यर, शासी निकाय के सदस्यगण, अकादमिक परिषद्,शिक्षकगण, अभिभावकगण एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।